International Journal of Advance and Applied Research
www.ijaar.co.in
ISSN – 2347-7075 Impact Factor – 8.141
Peer Reviewed Bi-Monthly
Vol. 12 No.2 Nov-Dec 2024

# बिलासपुर नगर में आप्रवासियों की सामाजिक संरचना का स्थानिक प्रतिरूप

**डा. शुचिता बघेल**
अतिथि व्याख्याता, भूगोल अध्ययनशाला,
पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (छ.ग.)
**Corresponding Author: डा. शुचिता बघेल**
**DOI-10.5281/zenodo.14650099**

**शोध सारांश**

अरपा नदी के तट पर स्थित बिलासपुर एक समृद्ध नगर है, इस नगर की प्रगति का श्रेय रेलवे मंडल दक्षिणी पूर्वी कोल लिमिटेड के मुख्यालय को दिया जाता है। इसके अतिरिक्त नगर के 100 किमी. के परिक्षेत्र में सीमेंट उद्योग अकलतरा, गोपाल नगर) भारत एल्यूमिनियम कपनी (कोरबा), छ.ग. विद्युत मण्डल राष्ट्रीयताप विद्युत निगम (कोरबा) कागज कारखाना (चांपा) इत्यादि स्थित है। इन सभी ने नगर की व्यावसायिक संरचना को प्रभावित किया है। परिणामतः नगर यातायात, प्रशासनिक, शैक्षणिक, औद्योगिक एवं वाणिज्यिक केन्द्र के रूप में विकसित हुआ है, जिसने जनसंख्या आप्रवास को प्रोत्साहित किया।

**शब्द बिन्दु** :– आप्रवास, पारिवारिक गतिशीलता, स्थानिक प्रतिरूप

## परिचय

प्रवास सामान्यतः निवास स्थान को बदलते हुए एक भौगोलिक इकाई से दूसरी इकाई के लिए भौगोलिक गतिशीलता का रूप एक है (यू.एन.ओ., 1973)। जनसंख्या के गुणात्मक एवं मात्रात्मक विशेषताओं का सबसे अधिक प्रभाव क्षेत्र–विशेष के सामाजिक एवं आर्थिक भूदृश्य पर पड़ता है, जिससे क्षेत्र में स्वस्थ सामाजिक एवं आर्थिक दशाएं निर्मित होती है। अस्तु प्रवासियों की जनांकिकी संरचना से गंतव्य क्षेत्र में न केवल मानव एवं भौतिक संसाधनों का संतुलन सुधार होता है, अपितु जनसंख्या संबंधों से भी अच्छा संतुलन स्थापित होता है।

नगर में चयनित परिवारों (2192) की कुल जनसंख्या 11005 व्यक्ति है। जिसमें 5619 व्यक्ति आप्रवासी हैं। कुल आप्रवासित जनसंख्या में महिला आप्रवासी का प्रतिशत (52.57%) पुरूष (47.43%) से अधिक है। इसी प्रकार कुल पुरूषों में 46.32% पुरूष एवं कुल महिलाओं में 56.24% महिलाएँ आप्रवासी हैं।

## अध्ययन क्षेत्र

बिलासपुर नगर (22°05' उत्तरी अक्षांत एवं 82°25'पूर्वी देशांतर) छत्तीसगढ़ का प्रमुख यातायात नगर है। यहाँ औद्योगिक, व्यापारिक एवं शैक्षणिक केन्द्र विकसित हैं। नगर की समुद्र तल से औसत ऊँचाई 285 मीटर है। नगर का कुल क्षेत्रफल 45.43 वर्ग किमी. है। नगर की कुल जनसंख्या 331030 (2011) है। बिलासपुर नगर इस क्षेत्र के महत्वपूर्ण नगरों–रायपुर दुर्ग, भिलाई, कोरबा से मुंबई–हावड़ा रेलमार्ग एवं राष्ट्रीय सड़क मार्ग – 200 से जुड़ा है। इसके अलावा विभिन्न राज्यों मार्गों से छत्तीसगढ़ के महत्वपूर्ण क्षेत्रों से संबंधित है। परिणामतः नगर आवागमन एवं परिवहन की दृष्टि से छत्तीसगढ़ में अपना विशिष्ट स्थान रखता है।

## आँकड़ों के सोत एवं विधि तंत्र

प्रस्तुत अध्ययन प्राथमिक आंकड़ों पर आधारित हैं। बिलासपुर नगर में आप्रवास के अध्ययन हेतु सर्वप्रथम 55 वार्डों में यादृच्छिक निदर्शन विधि द्वारा 25 वार्डों का चयन किया गया तथा इन चयनित 25 वार्डों के 10% परिवारों का स्तरीकृत निदर्शन द्वारा चयन कर अध्ययन किया गया। इस प्रकार नगर के 2192 परिवारों की पारिवारिक सामाजिक – आर्थिक एवं प्रवास संबंधी दशाओं के अध्ययन हेतु अनुसूची एवं साक्षात्कार का प्रयोग किया गया।

## आयु संरचना :

प्रवास की दिशा एवं मात्रा के निर्धारण में आयु का विशेष महत्व है। युवा आयु–वर्ग प्रवास के लिये अन्य आयु वर्गों की तुलना में अधिक सक्रिय होते हैं। किसी विशेष आयु वर्ग की जनसंख्या जहाँ वास्तविक उत्पादन अथवा उपभोग को प्रदर्शित करते हैं वहीं किसी क्षेत्र की जनसंख्या आयु–पिरामिड आर्थिक दृष्टि से क्रियाशील एवं अक्रियाशील वर्ग को प्रदर्शित करता है। इस प्रकार ऐसे पिरामिड संरचना किसी क्षेत्र की जनसंख्या की आयु संगठन एवं अर्थ व्यवस्था के सहसंबंध को व्यक्ति करते हैं (वेलेन्टे, (1978)। क्लार्क के अनुसार (1972) आयु संघठन के तीन कारक (जन्मता, मर्त्यता, तथा प्रवास) एक दूसरे पर निर्भर है तथा इनमें से किसी एक में परिवर्तन बाकी दो को भी प्रभावित करता है तथा इन दोनों कारकों के ही कारण सामाजिक एवं आर्थिक दशाएं आयु संघटन को प्रभावित करती है।

नगर में कुल आप्रवासी व्यक्तियों में 8.49% व्यक्ति बाल वर्ग (0–14 आयु) से 83.70% युवा एवं प्रौढ़ वर्ग से तथा 7.81% वृद्ध वर्ग (60 से अधिक आयु) से है। जबकि इनमें स्थानीय व्यक्तियों का प्रतिशत क्रमशः 44. 22%, 53.36% एवं 2.42% है। इसी प्रकार लिंगानुसार आप्रवासी पुरूषों में बालक (10.24%) एवं वृद्ध (8.18%) का प्रतिशत आप्रवासी महिलाओं से अधिक रहा, जबकि युवा एवं प्रौढ़वर्ग में महिला आप्रवासियों का प्रतिशत (85.61%) पुरूषों (81.58%) से अपेक्षाकृत अधिक रहा, जो महिलाओं के वैवाहिक एवं पारिवारिक प्रवास का प्रतिफल है नगर के आप्रवासियों के स्थानिक प्रतिरूप का विश्लेषण जन्म स्थान के प्रवास को आधार मानकर किया गया है।

नगर के स्थानिक प्रतिरूप में बिलासपुर के विभिन्न विकासखण्डों से आप्रवासित व्यक्तियों में जहाँ बाल वर्ग (10.68%) की अधिकता रही, वहीं छत्तीसगढ़ राज्य के विभिन्न जिलों से आप्रवासित व्यक्तियों में युवा एवं प्रौढ़ वर्ग का प्रतिशत (81.49%) विभिन्न विकासखण्डों से हुए आप्रवासियों से अधिक पाए गए। इसके विपरीत भारत के अन्य राज्यों से हुए आप्रवास में युवा एवं प्रौढ़ वर्ग का प्रतिशत (85.83%) तुलनात्मक दृष्टि से सर्वाधिक रहा, जबकि विदेशों से हुए आप्रवास में वृद्ध वर्ग (39.29%) के आप्रवासी सबसे अधिक पाये गये। तुलनात्मक दृष्टि से विभिन्न विकासखण्डों से हुए आप्रवास में परिवार सहित आप्रवास अधिक होने के कारण बच्चों की संख्या जहाँ अधिक पाई गई, वहीं जिलों से हुए आप्रवास में भी युवा एवं प्रौढ़ वर्ग के साथ बच्चों की संख्या अधिक रही। जो वैवाहिक एवं पारिवारिक गतिशीलता का प्रतिफल है। इसके विपरीत भारत के विभिन्न राज्यों से हुए आप्रवास में एकाकी (80.98%) परिवार की मात्रा अधिक रही जिसके कारण युवा एवं प्रौढ़ वर्ग अपेक्षाकृत अधिक प्रवासित हुए।

**सारणी 1**

**बिलासपुर नगर : आप्रवासियों का आयु वर्गानुसार स्थानिक प्रतिरूप**

| क्र. | आयु वर्ग | बिलासपुर के विभिन्न विकासखण्डों से आप्रवास | | | | | | छ.ग. के विभिन्न जिलों से आप्रवास | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | कुल | प्रति. | पुरूष | प्रति. | महिला | प्रति. | कुल | प्रति. | पुरूष | प्रति. | महिला | प्रति. |
| 1 | 0–14 | 109 | 10.68 | 66 | 13.37 | 43 | 8.17 | 130 | 9.33 | 76 | 12.56 | 54 | 6.85 |
| 2 | 15–59 | 824 | 80.71 | 389 | 78.74 | 435 | 82.54 | 1136 | 81.49 | 472 | 78.02 | 664 | 84.16 |
| 3 | 60+ | 88 | 8.61 | 39 | 7.89 | 49 | 9.29 | 128 | 9.18 | 57 | 9.42 | 71 | 8.99 |
| | योग | 1021 | 100 | 494 | 100 | 527 | 100 | 1394 | 100 | 605 | 100 | 789 | 100 |

| क्र. | आयु वर्ग | भारत के विभिन्न राज्यों से आप्रवास | | | | | | विदेशों से आप्रवास | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | कुल | प्रति. | पुरूष | प्रति. | महिला | प्रति. | कुल | प्रति. | पुरूष | प्रति. | महिला | प्रति. |
| 1 | 0–14 | 238 | 7.49 | 131 | 8.44 | 107 | 6.59 | – | – | – | – | – | – |
| 2 | 15–59 | 2726 | 85.83 | 1304 | 83.97 | 1422 | 87.62 | 17 | 60.71 | 09 | 69.23 | 08 | 53.33 |
| 3 | 60+ | 212 | 6.68 | 118 | 7.59 | 94 | 5.79 | 11 | 39.29 | 04 | 30.77 | 07 | 46.67 |
| | योग | 3176 | 100 | 1553 | 100 | 1623 | 100 | 28 | 100 | 13 | 100 | 15 | 100 |

**स्रोत : व्यक्तिगत सर्वेक्षण।**

जबकि नगर में विदेशों से आप्रवासित व्यक्तियों में 1947 में भारत–पाकिस्तान विभाजन के बाद सिंधी भाषी के आगमन एवं 1970 में बांगलादेश के निर्माण से बंगाली भाषी व्यक्तियों को नगर के निकट चकरभाठा में बसाया गया, जिससे नगर आवासित होने से वृद्ध वर्ग में वृद्धि हुई (सारणी–1)।

**लिंगानुपात :**

अर्थव्यवस्था एवं समाज के विकास में लिंगानुपात की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। क्षेत्रीय आधार पर लिंगानुपात में पाई जाने वाली विभिन्नता सामाजिक एवं आर्थिक प्रगति में बाधक बनती है। फलतः लिंगानुपात को क्षेत्रीय विकास का सूचक भी माना जाता है (यादव, 2006)। इस प्रकार सामाजिक, आर्थिक जीवन की प्रवृत्तियां विश्लेषण और जनांकिकी तत्वों के प्रभाव को समझने में लिंगानुपात महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस दृष्टि से नगर के आप्रवासी व्यक्तियों का लिंगानुपात 1108 महिला/हजार पुरूष है, जबकि स्थानीय व्यक्तियों में यह अनुपात 744 महिला/हजार पुरूष है। विभिन्न आयु वर्ग में आप्रवासियों का सबसे अधिक लिंगानुपात 30–44 आयु वर्ग में (1229 महिला/हजार पुरूष) तथा सबसे कम 0–6 आयु वर्ग (178 महिला/हजार पुरूष) में है।

आयु के आधार पर लिंगानुपात के स्थानिक प्रतिरूप के विश्लेषण से स्पष्ट है कि 0–14 आयु वर्ग में सबसे अधिक लिंगानुपात (817 महिला/हजार पुरूष) जहाँ भारत के विभिन्न राज्यों से हुए आप्रवास में पाया गया, वहीं जिले के विभिन्न विकासखण्डों से हुए आप्रवासित व्यक्तियों में लिंगानुपात (651 महिला/हजार पुरूष) पाया गया। युवा एवं प्रौढ़ वर्ग में सबसे अधिक लिंगानुपात (1407 महिला/हजार पुरूष) राज्य के विभिन्न जिलों से आप्रवासित व्यक्तियों में दृष्टव्य हुआ, जबकि सबसे कम लिंगानुपात (889 महिला/हजार पुरूष) विदेशों से हुए आप्रवासित व्यक्तियों में पाया गया।

**सारणी 2**

**बिलासपुर नगर : आप्रवासियों के लिंगानुपात का स्थानिक प्रतिरूप**

| क्र. | आयु वर्ग | बिलासपुर के विभिन्न विकासखण्ड से आप्रवास आ. महिला/हजार पुरूष | छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों से आप्रवास आ. महिला/हजार पुरूष | भारत के विभिन्न राज्यों से आप्रवास आ. महिला/हजार पुरूष | विदेशों से आप्रवास आ. महिला/हजार पुरूष |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | 0–14 | 651 | 711 | 817 | – |
| 2. | 15–59 | 1118 | 1407 | 1090 | 889 |
| 3. | 60 से अधिक | 1256 | 1246 | 797 | 1750 |
| | औसत | 1067 | 1304 | 1045 | 1154 |

**स्रोत : व्यक्तिगत सर्वेक्षण।**

इसके विपरीत वृद्ध वर्ग में सबसे अधिक लिंगानुपात विदेशों से आप्रवासित व्यक्ति (1750 महिला/हजार पुरूष) एवं सबसे कम लिंगानुपात (797 महिला/हजार पुरूष) भारत के विभिन्न राज्यों से आप्रवासित व्यक्तियों में दिखाई दिया। तुलनात्मक दृष्टि से भारत के विभिन्न राज्यों से हुए आप्रवास में एवं विदेशों से हुए आप्रवास में लंबे अवधि के प्रवास अधिक हुए हैं। विदेशों से हुए आप्रवास में पारिवारिक गतिशीलता एवं भारत के राज्यों से हुए आप्रवास में एकाकी परिवार (80.98%) अधिक प्रवासित हुए जिससे इनके लिंगानुपात में अपेक्षाकत अधिक भिन्नता पाई गई। इसके विपरीत जिले के विकासखण्डों एवं राज्य के विभिन्न जिलों से हुए आप्रवास में कम दूरी एवं अल्प समयावधि के होने के कारण लिंगानुपात छत्तीसगढ़ राज्य के औसत लिंगानुपात (990) के समकक्ष पाई गई (सारणी–2)।

**वैवाहिक स्तर :**

विवाह पृथक्करण, तलाक एवं वैधव्य आदि जनांकिकीय घटनाओं का प्रवास से प्रत्यक्ष संबंध है। महिलाओं के प्रवास में वैवाहिक स्थिति उस स्थान की प्रजननता दर को प्रभावित करती है। इसी प्रकार पुरूषों की वैवाहिक स्थिति उनके पारिवारिक दायित्व के निर्वहन क्षमता को प्रदर्शित करती है। जिससे उस स्थान की क्रियाशील दर प्रभावित होती है। इस दृष्टि से नगर के कुल आप्रवासी व्यक्तियों में 24.54% व्यक्ति अविवाहित, 69.53% व्यक्ति विवाहित एवं 5.93% व्यक्ति विधवा/विधुर/परित्यक्ता है। लिंगानुपात आप्रवासियों में अविवाहित पुरूषों का प्रतिशत (31.78%) अविवाहित महिलाओं (18.01%) से अधिक रहा। वैवाहिक स्तर के स्थानिक प्रतिरूप के विश्लेषण में विवाहितों का सबसे अधिक प्रतिशत (74.40%) भारत के विभिन्न राज्यों से हुए आप्रवास में पाया गया, जबकि सबसे कम प्रतिशत (58. 86%) जिले के विभिन्न विकासखण्डों से हुए आप्रवास में रहा। इसके विपरीत अविवाहितों का सबसे अधिक प्रतिशत (31.74%) जहाँ विकासखण्डों से हुए आप्रवास में रहा, वहीं भारत के विभिन्न राज्यों से हुए आप्रवास में इसका प्रतिशत (21.54%) अपेक्षाकृत कम रहा। विवाहित आप्रवास में राज्यों से एकाकी परिवार (80.98%) अधिक स्थानान्तरण हुए हैं, जिसमें पति–पत्नि अधिक प्रवासित हुए। जबकि अविवाहितों में आप्रवास का प्रमुख कारण उच्च शैक्षणिक स्तर एवं प्रारंभिक रोजगार की उपलब्धता है। विधवा/विधुर/परित्यक्ता में सबसे अधिक प्रवास विदेशों से (28.57%) हुए। जो दीर्घकालीक आप्रवास का प्रतिफल है (सारणी–3)

**सारणी 3**

**बिलासपुर नगर : आप्रवासियों के वैवाहिक स्तर का स्थानिक प्रतिरूप**

| क्र. | आयु वर्ग | बिलासपुर के विभिन्न विकासखण्डों से आप्रवास | | | | | | छ.ग. के विभिन्न जिलों से आप्रवास | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | कुल | प्रति. | पुरूष | प्रति. | महिला | प्रति. | कुल | प्रति. | पुरूष | प्रति. | महिला | प्रति. |
| 1 | अविवाहित | 324 | 31.74 | 195 | 39.47 | 129 | 24.48 | 369 | 26.47 | 203 | 33.55 | 166 | 21.04 |
| 2 | विवाहित | 601 | 58.86 | 292 | 59.11 | 309 | 58.63 | 925 | 66.36 | 393 | 64.96 | 532 | 67.43 |
| 3 | विधवा/वि./ परि. | 96 | 9.40 | 07 | 1.42 | 89 | 16.89 | 100 | 7.17 | 09 | 1.49 | 91 | 11.53 |
| | योग | 1021 | 100 | 494 | 100 | 527 | 100 | 1394 | 100 | 605 | 100 | 789 | 100 |

| क्र. | आयु वर्ग | भारत के विभिन्न राज्यों से आप्रवास | | | | | | विदेशों से आप्रवास | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | कुल | प्रति. | पुरूष | प्रति. | महिला | प्रति. | कुल | प्रति. | पुरूष | प्रति. | महिला | प्रति. |
| 1 | अविवाहित | 684 | 21.54 | 449 | 28.91 | 235 | 14.48 | 02 | 7.14 | | | 02 | 13.33 |
| 2 | विवाहित | 2363 | 74.40 | 1076 | 69.29 | 1287 | 79.30 | 18 | 64.29 | 09 | 69.23 | 09 | 60.00 |
| 3 | विधवा/वि./ परि. | 129 | 4.06 | 28 | 1.80 | 101 | 6.22 | 08 | 28.57 | 04 | 30.77 | 04 | 26.67 |
| | योग | 3176 | 100 | 1553 | 100 | 1623 | 100 | 28 | 100 | 13 | 100 | 15 | 100 |

**स्रोत : व्यक्तिगत सर्वेक्षण।**

**शैक्षणिक स्तर :**

साक्षरता सामाजिक–आर्थिक विकास का सर्वाधिक महत्वपूर्ण पहलू है। औद्योगिक एवं कृषि प्रधान देशों में साक्षरता स्तर की भिन्नता साक्षरता एवं अर्थव्यवस्था कोटि में स्पष्ट सह संबंध को प्रदर्शित करता है। इस प्रकार शिक्षा स्थान की सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक एवं औद्योगिक विकास की आधारशिला है। बिलाससपुर नगर में ग्रामीण क्षेत्रों से निरक्षर अथवा मात्र साक्षर तथा अकुशल व्यक्तियों द्वारा अधिक आप्रवास हुआ है। नगर में कुल आप्रवासीय व्यक्तियों में 9.52% व्यक्ति निरक्षर है। जबकि कुल साक्षर व्यक्तियों में 31.06% आप्रवासी निम्न शैक्षणिक स्तर (मात्र साक्षर एवं प्राथमिक–माध्यमिक स्तर) में एवं 68.94% आप्रवासी उच्च शैक्षणिक स्तर (उच्चतर–माध्यमिक, स्नातक/स्नातकोत्तर एवं व्यावसायिक स्तर) के है।

आप्रवासियों के शैक्षणिक स्तर के स्थानिक प्रतिरूप के विश्लेषण में बिलासपुर जिले के विभिन्न विकासखण्डों से हुए आप्रवास में माध्यमिक स्तर से कम शैक्षणिक स्तर में आप्रवासियों का प्रतिशत सबसे अधिक (49.45%) रहा। इसका कारण अध्ययनरत अविवाहित का प्रतिशत (30.47%) अधिक होना है। उच्चतर माध्यमिक स्तर एवं उससे अधिक शैक्षणिक स्तर में आप्रवासियों का सबसे अधिक प्रतिशत (74.55%) भारत के विभिन्न राज्यों से हुए आप्रवास में पाया गया (सारणी–4)। उल्लेखनीय है कि कुल रोजगार परक स्थानान्तरण में भारत के विभिन्न राज्यों के आप्रवासियों में

स्थानांतरण सबसे अधिक (62.07%) हुए, जो मुख्यतः रेलवे में कार्यरत आप्रवासी है। जिसके कारण राज्यों से रेलवे में स्थानान्तरण एवं प्रशासनिक स्थानान्तरण अधिक हुए, जिसमें उच्च साक्षर एवं व्यावसायिक स्तर लोग अधिक प्रवासित हुए।

**सारणी 4**

**बिलासपुर नगर : आप्रवासियों के शैक्षणिक स्तर का स्थानिक प्रतिरूप**

| क्र. | आयु वर्ग | बिलासपुर के विभिन्न विकासखण्डों से आप्रवास | | | | | | छ.ग. के विभिन्न जिलों से आप्रवास | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | कुल | प्रति. | पुरूष | प्रति. | महिला | प्रति. | कुल | प्रति. | पुरूष | प्रति. | महिला | प्रति. |
| 1 | मात्र साक्षर | 63 | 7.81 | 17 | 3.88 | 46 | 12.47 | 43 | 3.57 | 11 | 1.97 | 32 | 4.96 |
| 2 | प्रा.माध्यमिक स्तर | 336 | 41.64 | 173 | 39.49 | 163 | 44.17 | 345 | 28.63 | 148 | 26.48 | 197 | 30.49 |
| 3 | उच्चतर माध्यमिक | 236 | 29.24 | 133 | 30.37 | 103 | 27.91 | 378 | 31.37 | 154 | 27.55 | 224 | 34.67 |
| 4 | स्ना. स्नातकोत्तर | 130 | 16.11 | 79 | 18.04 | 51 | 13.82 | 332 | 27.55 | 148 | 26.48 | 184 | 28.49 |
| 5 | व्यावसायिक स्तर | 42 | 5.20 | 36 | 8.22 | 06 | 1.63 | 107 | 8.88 | 98 | 17.52 | 09 | 1.39 |
| 6 | कुल साक्षर | 807 | 100 | 438 | 100 | 369 | 100 | 1205 | 100 | 559 | 100 | 646 | 100 |
| 7 | निरक्षर | 191 | 19.14 | 42 | 8.75 | 149 | 28.76 | 167 | 12.17 | 28 | 4.77 | 139 | 17.71 |

| क्र. | आयु वर्ग | भारत के विभिन्न राज्यों से आप्रवास | | | | | | विदेशों से आप्रवास | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | कुल | प्रति. | पुरूष | प्रति. | महिला | प्रति. | कुल | प्रति. | पुरूष | प्रति. | महिला | प्रति. |
| 1 | मात्र साक्षर | 72 | 2.43 | 09 | 0.59 | 63 | 4.34 | – | – | – | – | – | – |
| 2 | प्रा.माध्यमिक स्तर | 682 | 23.02 | 251 | 16.62 | 431 | 29.67 | 12 | 46.15 | 08 | 61.54 | 04 | 30.77 |
| 3 | उच्चतर माध्यमिक | 1033 | 34.86 | 509 | 33.71 | 524 | 36.06 | 12 | 46.15 | 05 | 38.46 | 07 | 53.85 |
| 4 | स्ना. स्नातकोत्तर | 963 | 32.50 | 542 | 35.90 | 421 | 28.97 | 02 | 7.70 | – | – | 02 | 15.38 |
| 5 | व्यावसायिक स्तर | 213 | 7.19 | 199 | 13.18 | 14 | 0.96 | – | – | – | – | – | – |
| 6 | कुल साक्षर | 2963 | 100 | 1510 | 100 | 1453 | 100 | 26 | 100 | 13 | 100 | 13 | 100 |
| 7 | निरक्षर | 166 | 5.31 | 22 | 1.44 | 144 | 9.02 | 02 | 7.14 | – | – | 02 | 13.33 |

**स्रोत : व्यक्तिगत सर्वेक्षण।**

**जाति संरचना :**

भारतीय समाज में जाति व्यवस्था बहुल प्रबल है। नगरों में रोजगार के श्रेष्ठ अवसरों की उपलब्धता अपेक्षाकृत अधिक है। जिसके कारण नगर सभी जाति के आप्रवासियों के लिये विशेष आकर्षण के केन्द्र होते हैं। अनुसूचित जनजातियों में गतिशीलता अपेक्षाकृत बहुत कम होती है, क्योंकि ये अपनी सभ्यता एवं संस्कृति के दायरे से अधिक जुड़े होने के कारण उनसे बाहर नहीं निकल पाते। जबकि निम्न आर्थिक सामाजिक स्तर में अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग में गतिशीलता अधिक होती है, क्योंकि इनमें मूल निवास स्थान में इनकी कोई भूसम्पत्ति नहीं होती, जो इन्हें बांधकर रख सके। अन्य जतियों में मध्यम एवं उच्च सामाजिक स्तर की जातियाँ सम्मिलित है, जो सुशिक्षित, निपुण एवं आर्थिक रूप से सम्पन्न होने के कारण कम गतिशील होते हैं, किन्तु वर्तमान समय में यातायात एवं संचार साधनों के विकास के कारण इनके प्रवास की संभावनायें बढ़ी है।

नगर में कुल आप्रवासित व्यक्तियों में 14.04% व्यक्ति अनुसूचित जाति, 10.04% व्यक्ति अनुसूचित जनजाति, 30.20% व्यक्ति पिछड़ा वर्ग एवं 45.72% व्यक्ति अन्य जातियों से है।

लिंगानुसार, अनुसूचित जातियों में महिला (14.89%) एवं अन्य जातियों में पुरूषों (46.38%) का प्रतिशत अपेक्षाकृत अधिक रहा। तथापि महिला–पुरूष के प्रतिशत में कम भिन्नता रही, जो परिवार सहित प्रवास का प्रतिफल है।

आप्रवास के स्थानिक प्रतिरूप में बिलासपुर जिले के विभिन्न विकासखण्डों से हुए आप्रवास में अनुसूचित जनजाति (14.90%) एवं पिछड़ा वर्ग (41.04%) का प्रतिशत अपेक्षाकृत उच्च रहा, वहीं छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों से हुए आप्रवास में अनुसूचित जाति का प्रतिशत (21.74%) अपेक्षाकृत अधिक रहा। इसके विपरीत विदेशों से हुए आप्रवास में शत्–प्रतिशत व्यक्ति अन्य जातियों से प्रवासित हुए (सारणी–5)।

**सारणी 5**

**बिलासपुर नगर : आप्रवासी जनसंख्या की जाति अनुसार स्थानिक प्रतिरूप**

| क्र. | आयु वर्ग | बिलासपुर के विभिन्न विकासखण्डों से आप्रवास | | | | | | छ.ग. के विभिन्न जिलों से आप्रवास | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | कुल | प्रति. | पुरूष | प्रति. | महिला | प्रति. | कुल | प्रति. | पुरूष | प्रति. | महिला | प्रति. |
| 1 | अनुसूचित जाति | 193 | 18.90 | 87 | 17.61 | 106 | 20.11 | 303 | 21.74 | 126 | 20.83 | 177 | 22.43 |
| 2 | अनुसूचित जनजाति | 143 | 14.01 | 66 | 13.36 | 77 | 14.61 | 182 | 13.06 | 73 | 12.07 | 109 | 13.82 |
| 3 | अन्य पिछड़ा वर्ग | 419 | 41.04 | 198 | 40.08 | 221 | 41.94 | 485 | 34.79 | 239 | 39.50 | 246 | 31.18 |
| 4 | अन्य जाति | 266 | 26.05 | 143 | 28.95 | 123 | 23.34 | 424 | 30.41 | 167 | 27.60 | 257 | 32.57 |
| | योग | 1021 | 100 | 494 | 100 | 527 | 100 | 1394 | 100 | 605 | 100 | 789 | 100 |

| क्र. | आयु वर्ग | भारत के विभिन्न राज्यों से आप्रवास | | | | | | विदेशों से आप्रवास | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | कुल | प्रति. | पुरूष | प्रति. | महिला | प्रति. | कुल | प्रति. | पुरूष | प्रति. | महिला | प्रति. |
| 1 | अनुसूचित जाति | 293 | 9.22 | 136 | 8.76 | 157 | 9.67 | – | – | – | – | – | – |
| 2 | अनुसूचित जनजाति | 239 | 7.53 | 96 | 6.18 | 143 | 8.82 | – | – | – | – | – | – |
| 3 | अन्य पिछड़ा वर्ग | 793 | 24.97 | 408 | 26.27 | 385 | 23.72 | – | – | – | – | – | – |
| 4 | अन्य जाति | 1851 | 58.28 | 913 | 58.79 | 938 | 57.79 | 28 | 100 | 13 | 100 | 15 | 100 |
| | योग | 3176 | 100 | 1553 | 100 | 1623 | 100 | 28 | 100 | 13 | 100 | 15 | 100 |

**स्रोत : व्यक्तिगत सर्वेक्षण।**

चूंकि बिलासपुर के विकासखण्ड अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति बाहुल्य क्षेत्र है। इसलिए विकासखण्ड से हुए आप्रवास में इन जातियों का प्रतिशत अपेक्षाकृत अधिक रहा। जबकि राज्यों से हुए आप्रवास में अन्य जातियों का अधिक स्थानान्तरण नगर में रोजगार की उपलब्धता एवं रोजगार में स्थानान्तरण का प्रतिफल है।

**निष्कर्ष**

बिलासपुर नगर के चयनित परिवारों की कुल जनसंख्या 11005 है, जिसमें 52.27% पुरूष एवं 47.73% महिला है। नगर में परिवारों का औसत आकार 4.20 व्यक्ति प्रति परिवार है। परिवार के सदस्यों में 25.53% व्यक्ति प्रति परिवार है। परिवार के सदस्यों में 25.53% व्यक्ति शिशु वर्ग (0–14 आयु वर्ग), 69.30% युवा एवं प्रौढ़ (15–59 आयु) एवं 5.17: व्यक्ति वृद्ध वर्ग (60 वर्ष से अधिक आयु) से है। परिवार का लिंगानुपात 913 महिला/हजार पुरूष है। परिवार की वैवाहिक स्थिति में 48.91% व्यक्ति अविवाहित, 47.16% विवाहित तथा 3.93% विधवा/विधुर/परित्यक्ता से है। परिवार के सदस्यों में 7.08% व्यक्ति निरक्षर है। कुल साक्षर व्यक्तियों में 3.76% व्यक्ति मात्र साक्षर है।

नगर में विभिन्न जाति, धर्म एवं भाषा के व्यक्ति निवासरत हैं। नगर के सभी जाति वर्ग में लिंग भिन्नता कम है, जो उनके परिवार सहित आप्रवास का प्रतिफल है। निष्कर्ष रूप में हम कह सकतें हैं कि प्रवास एक स्वतंत्र मानवीय प्रक्रिया है, जिसके मात्रा एवं दिशा के निर्धारण में राज्य की नीति का अधिक योगदान होता है, अतः इस पर अंकुश लगाना कठिन एवं अनुचित प्रक्रिया होगी, तथापि नगर की जनसंख्या में नियंत्रण एवं आर्थिक समृद्धि के लिए आप्रवास पर नियंत्रण करना एवं प्रवासियों की समस्या के निराकरण के लिए सुनियोजित प्रयास किया जाना, निःसंदेह एक महत्वपूर्ण कदम होगा।

**संदर्भ – सूची**


1. Clarke, Johan, I. 1972 : Population Geography, Pergamon Press, ocford.
2. United Nations 1973 : "Determinants and Consequences of Populatioon Trends", Population Study No. 17 New Yourk.
3. Valentey, D. I. 1978 : The Theory of Population, Aogress Publishers, New York.
4. तिवारी, विजय कुमार 1997 : भारत का जनसंख्या भूगोल, भाग–2, हिमालय पब्लिशिंग हाऊस, मुंबई।
5. मौर्य, एस.डी. 2005 : जनसंख्या भूगोल, शारदा पुस्तक भवन, इलाहाबाद।
6. यादव, हीरालाल 2006 : जनसंख्या भूगोल, वसुन्धरा प्रकाशन, गोरखपुर